

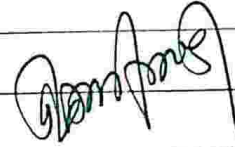
आज दिनांक 10.10.22 को उच्च कमेटी की बैठक आयुक्त को गई थी, जिसमें कोरम पूरा न होने के कारण बैठक को स्थगित करने का निर्णय लिया गया, इस कमेटी की आगामी बैठक 18.10.22 को रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित थे।

डा. अनिता महेश्वर

डा. एस. जैनागणि

जे. एच. सी. जैन

अमा

PRINCIPAL  
GOVT. DIGVIJAY COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.)

आज दिनांक 14.10.22 को एथिअस कारी की बैठक  
प्रार्थना के लिए राउंडेडार के मागडिउमि म  
आयोजित की गई, जिसमें निम्न सदस्य उपस्थित हुए

- ①
- ② Buddhimitra wasnik 9424110723 *Reo*
- ③ Santosh Kumar Sodhan 9301830066 *88801*
- ④ Dr. B. L. Kumra 9827174966 *3/10*
- ⑤ शरद श्रीवारदाव 98271-73727 *9/10*
- ⑥ डॉ. वीरेन्द्र कुमार साहु, CDPO 969562195 *10*
- ⑦ *महिला एवं बाल विकास विभाग*  
Dr. S. JENAMANI 9425568028 *11*  
Asst. Prof. Girgaई
- ⑧ Dr. K. N. Prasad 94241-05794 *12*  
Asst. Prof.
- ⑨ H. C. Jain; 98264.71807
- ⑩ डा. अजय कोसाम 8871042041 *13*
- ⑪ लक्ष्मीनारायण स्वागम - 9827164886 *14*

सर्वप्रथम अचार्य डॉ. के.एल. रावटेकर ने लामला श्रमिकों के सदस्यों का स्वागत एवं परिचय देने हुए बताया कि शासन द्वारा निर्दिष्ट प्रारंभिक विवेकीय तहलका परिचालन कर्मचारी वर्गों की गई है, जिसमें महाविद्यालय स्तर पर छात्रों की आचार विचार, संस्कार के शिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया जाय साथ ही शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर कभी पर्याप्त ध्यान दिया जाय।

डा. अजय मोलाज ने बताया कि पेशेवर के संबंधित शिक्षण में यह जानने का प्रयास किया जाता है कि मरीज की लचि एवं कार्य क्या है, मरीज की किली भी प्रकार से प्रतिन होने पाये, द्युक्त मानव से संबंधित व्यवहारों का इसमें अध्ययन किया जाता है, इस लक्ष्मी के सदस्यों को लक्ष्मी के कार्य, उत्तरदायित्व, एवं महत्त्व के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है, एवं छात्रों को द्युक्त नीति निर्धारक संबंधी तथ्यों की जानकारी दी जाती है, इस हेतु कार्यशाला आयोजित कर छात्रों को प्रमाण पर भी जारी किये जाते हैं। उन्हीं ने स्वयं की गाईड लाईन के आधार पर परिचय के क्रियान्वयन पर जोर दिया।

श्री शरद श्रीवास्तव ने बताया कि एक ट्रेनिंग समीपेकाय के एवं विषयों के 5-3 छात्रों को समूह को है, और इस ट्रेनिंग के माध्यम से सभी कक्षाओं में इस योजना का क्रियान्वयन किया जाय।

डा. बी. एन. कोमरे ने बताया इस हेतु एक ओरिएंटेशन कोर्स रखा जाय।

श्री शरद श्रीवास्तव ने कहा कि व्यवहार परिवर्तन से चार B.C. Com. पर एक कार्यक्रम रखा जाय, जिससे काफी लाभ होगा।

डा. के.एल. रावटेकर सर ने बताया कि हमारे अध्यापकों व कर्मचारियों को 1. कार्यशाला श्री गायकवाड़ सर के माध्यम से कराई जाय ताकि परिचय के महत्त्व को सभी समझ सकें, एवं जीवन में आचरण में काम उच्चतर एक अच्छे गुरुओं का अपना लक्ष

• शर्ट-वी वाल्व ने बताया कि गैर या लीम डी ही व्यक्त  
 धारित होना है।

• वी अण्ड को लागू न बताया युवाओं में नशाखोरी  
 डिजेशन, सन्पाथरी आदि से गुजर रहे हैं, ऐसे में  
 मनोवैज्ञानिक सलाहकारों के माध्यम से युवाओं को  
 परामर्श देकर इस समस्या का समाधान किया जा  
 सकता है।

डा. वीरेन्द्र साहू (महिला एवं बाल विकास) परियोजना अधिकारी  
 ने बताया कि फीड बैक स्कूल एवं नापिरिंग की प्रक्रिया  
 को भी शामिल किया जाय ताकि अधिमम कर्मचारी  
 वास्तव में अपना परिणाम ले सकें। अल्पसंख्यक  
 कार्य में युवा लगा हुआ है, इस हेतु मोटिवेशनल  
 स्पीच रखी जाय, ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को  
 कैरियर गाइडेंस के कार्यक्रम के माध्यम से  
 भी लाभ पहुंचाया जा सकता है। एक लाइव  
 मंच भी स्थापित किया जाय।

डा. के. एल. राठौर ने बताया कि सारे अधिकारी  
 कर्मचारियों को कार्यवाही रखी जाय।

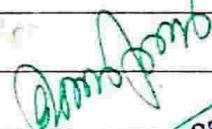
• वी संतोष बुड्ढा ने बताया कि वर्तमान परिकेस को प्री लरह  
 से बढ़ा नहीं जा सकता पर अच्छी नैतिक शिक्षा के  
 कार्यक्रम प्रयास किए जाने चाहिए।

• वी मती बुड्ढा ने बताया कि कैरियर गाइडेंस के कार्यक्रम  
 कटवान पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि  
 लक्ष्य निश्चित नहीं होने से युवाओं में अवसाद की स्थिति  
 उत्पन्न हो मिल रही है।

• वी शर्ट-वी वाल्व ने बताया कि साफ्ट टेकनिक के कार्यक्रम  
 आयोजित किये जायें।

• वी साहू जी ने बताया कि NCC, NDS, एवं रेडक्रास के  
 सदस्यों को भी शामिल किया जाय।

• वी साहू जी ने बताया कि आनलाईन प्रोग्राम भी आयोजित किये जायें।



आज दिनांक 10.11.22 को Ethic committee की बैठक का फेव ताल में रखी गई जिसमें निम्न सदस्य उपस्थित हुए:

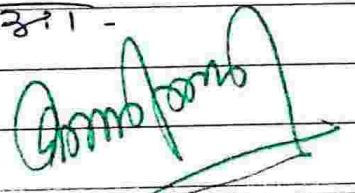
1. डॉ. अनिता महिस्कर
2. डॉ. डे. एन. प्रसाद
3. डॉ. जेनाभणी एस
4. डॉ. एन. एस. अलरेजा
5. डॉ. एन. सी. जैन

एथिक्स समिति के द्वारा बचाव की जा रही है कि हम क्या ऐसा कार्य/कर्म महाविद्यालय में करवा सकते हैं, जिससे महाविद्यालय परिवार एवं यहां अध्ययनरत विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं।

2017 के common set conduct के आधार पर Ethical values के आधार पर पूरा कार्य करना है।

प्राचार्य महोदय ने कहा कि कोरोना काल में जिस तेजी से नैतिक मूल्यों का घटन हुआ है उससे युवा-वियलित है हमें उन नैतिक मूल्यों की value महाविद्यालय के छात्र, छात्राओं को बताना है और विद्यार्थी को जीवन में नैतिकता ठठार सके।

डॉ. गायबवाड़ वामन ने है उनसे संपर्क कर एक कार्य/कर्म पहला महाविद्या. में किया जाना निश्चित हुआ।


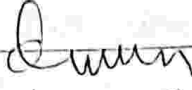

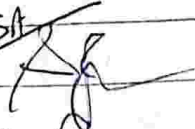


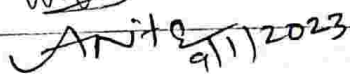


बैंक

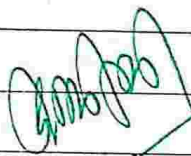
Page No.

Date:

शासन कमेटी की बैठक आज दिनांक 13.1.23 को  
आयोजित की गई जिसमें शिक्षक कमेटी के निम्न महाविद्यालयी सदस्य  
आह्वित हुए

- (1) डा. अनिता मदेश्वर 
- (2) डा. डी. पी. कोरे 
- (3) डा. जयदेव लाल 
- (4) डा. जयदेव लाल 
- (5) डा. डी. पी. कोरे 
- (6) H. C. K. 
- (7) Dr. Anita Shankar 

बैंक में सहितोच लिया गया कि दिनांक 13.1.23 को  
पदमची आउट की प्रकराज बाफला एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति  
में शोध परियोजना का प्रस्तुति क(0) एवं शिक्षक कमेटी  
की गापी कार्य योजना पर विचार विमर्श कर महाविद्यालय  
के सम्बन्ध में उचित कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया  
जायगा। इस सम्बन्ध में एक फल सम्बन्धित सदस्यों को  
निम्नलिखित कर्त हेतु लैय्यार किया गया

  
PRINCIPAL  
GOVT. DIGVIJAY COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.)

आज दिनांक 11.1.23 को महाविद्यालय में स्थित कर्मियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें निम्न सदस्य उपस्थित थे

(1) डा. आशिता महेश्वर Amal

(2) डा. शबनम (वान) Sham

(3) डा. एस. जनामणि S.

(4) डा. जीपी कुर्से J.P.

(5) प्रो. एच. सी. जैन H.S.J.

(6) डा. एच. एस. आनरेजा — HSA

(7) डा. डी.के. वर्मा


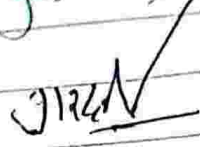



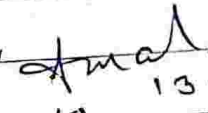

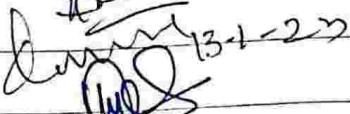




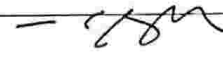



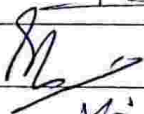
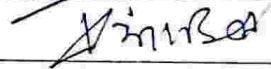
बैठक में दिनांक 13.1.23 को शोधपरियोजना प्रतिवेदन के प्रस्तुति करण एवं प्राची कार्ययोजना के समर्थन के लिए विचार विमर्श का कार्य का आयोजन किया गया। उक्त तिथि को कार्यक्रम के संचालन का कार्य ~~आर~~ -

Ganesh

PRINCIPAL  
GOVT. DIGVIJAY COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.)

कार्य

आज दिनांक 13-1-23 को एमिशन  
कोठी की मजदूरों में मकिलोय हल  
के एक लगे रस्ती जाई है जिसमें  
निम्न सदस्य उपस्थित हुए-

- 1) डॉ. फुरकान बाफना 
- 2) श्री शरद जीवास्तव 
- 3) डॉ. सुभन सिंह बघेल
- 4) डॉ. वी. एन. कुमारे 
- 5) डॉ. अजय कोसाम 
- 5) श्री लक्ष्मी नारायण केवांगन 
- ~~6) डॉ. ...~~
- 7) डॉ. अमिता महिस्वर  13.1.23
- 8) डॉ. शबनम खान 
- 9) डॉ. डॉ. पी. फरे  13.1.23
- 10) डॉ. एच. जैन 
- 11) डॉ. एल. जेनामणी 
- 12) डॉ. संजय ठिसरे 
- 13) डॉ. रामू खुटे
- 14) डॉ. प्रमोद महीव
- 15) डॉ. डॉ. ड. वर्मा 
- 16) डॉ. शैलेन्द्र सिंह 
- 17) डॉ. धीरेन्द्र बरगदुर  13/1/2023
- 18) Dr. P. P. Khar
- 19) Mrs. Kavita Sakura 
- 20) Ragini Parate 
- 21) Dr. Pramod Kumar Mahesh 
- 22) Dr. Peshque R. Aadi 



सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय ने जब सम्मानित सदस्यों का मुख्य अह्वान दे स्वागत किया। प्राचार्य महोदय ने शबिक कमेटी के विषय में जानकारी प्रदान की। इस में आचार विचार संस्कार तथा रिसर्च में श्री लबिक कमेटी का महत्वपूर्ण रोल है।

प्राचार्य ने महाविद्यालय में संचालित विषय विधायी में तथा रिसर्च सेंटर के विषय में जानकारी दी। शबिक कमेटी की संयोजक ने अपने उद्बोधन में शबिक कमेटी की कार्ययोजना के विषय में बताया।

तत्पश्चात् डॉ. प्रवेश्वर वर्मा ने स्वशास्त्री विभाग द्वारा रिसर्च प्रोजेक्ट के विषय में जानकारी दी। इसमें एक पब्लिक वेलफेयर के लिये क्या जरूरी है इस विषय में जानकारी दी।

1. डॉ. प्रमोद प्रदीप ने अपने प्रणव की जानकारी दी।

डॉ. पुस्करान बाफना सर ने वरुण के एक्टिव क्या होगा यह पूछा तथा प्रश्न का उत्तर भी दिया उन्होंने कहा कि इससे कुछ नया निरुल पायेगा।

2. रसायन शास्त्र से शीमा साहू एवं डॉ. डी. के. वर्मा ने अपने प्रणव की प्रस्तुती की।

- डॉ. बाफना ने बहुत सारे क्वेश्चन पूछे तथा शीमा साहू ने सभी के वल्व दिये।

- डॉ. जेनाजणी ने भी क्वेश्चन पूछे।

- डॉ. के. एल. राण्डवर प्राचार्य ने प्रश्न पूछे जिनके उ-हें वल्व प्राप्त हुए।

डॉ. देवान नाथिन ने अपने प्रयोगों से  
की प्रकृति से इनकी प्रकृति को  
निरूपित

डॉ. पुष्कराज नाथिन ने प्रकाश के प्रकीर्णन  
को क्वॉन्टम थैरी से संबंधित किया है  
डॉ. देवान ने कार्य किया

तथा बताया कि इस प्रयोग से  
से किसी प्रकार भ्रम उत्पन्न  
पर्याप्त ही शक्ति नहीं पहुँचेंगी

- 4. डॉ. कविता सापुरे एवं डॉ. शबनम खा-  
ने अपनी प्रकृत प्रकृति की
- 5- डॉ. रागिनी परात ने अपनी प्रकृति की  
प्रकृति की ;

डॉ. पुष्कराज नाथिन एवं डॉ. अजय घोसाप  
ने undefined जगहों के बारे में  
भी योजना बनाने का  
डॉ. डे. एल. टाउंडर ने भी बहुत  
सारे प्रयोगों के कार्य किए

6. डॉ. शैलेन्द्र बहादुर ने अपने प्रयोगों  
की प्रकृति की प्रकृति राज्यों प्रियामत पर  
डॉ. पुष्कराज नाथिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी  
केविलाल मट्टर एवं अजय का पत्र लगाने  
का सुझाव दिया

डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने बहुत सारी प्रयोगों  
के कार्य किए

डॉ. डे. एल. टाउंडर सर ने सभी स्वतंत्रता  
संग्राम सेनानियों की लिस्ट तैयार करने का

8- Biotechnology से डॉ. प्रमोद महापा  
एवं डॉ. संजय चिसके सर ने  
अपने प्रयोगों की प्रकृति की  
वर्क बांधी के अंतर्गत प्रकृत  
वर्तमान है

laboratory studies ने वारे ने बताया  
drug resistant bacteria को  
conclude किया जाता है।

डॉ. पुरवराज बाफना ने अपने बहुत सारे  
सुझाव दिए। यह बहुत बड़ा field है  
डॉ. अजय बोसाम ने पूछा कि  
sample collection कहाँ से की  
कैसे लिया जाएगा। defined area  
के वारे ने पूछा इन्होंने कहा कि  
आपके साथ significance - के  
आधार पर होना चाहिए।

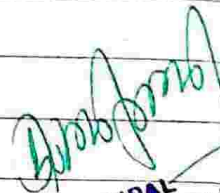
— इतिमि-*Journal* डॉ. अजय बोसाम ने  
medical college, के microbiology  
dept से मदद देने का आश्वासन  
दिया।

— डॉ. डी. ने नगी के जर्नल की इतिमि  
परसुति थी। *Saurogamum venosum*  
डॉ. पुरवराज बाफना ने इन दोनों के  
साथ एक को conclude करने  
कहा।

— डॉ. ने conclusion डॉ. पुरवराज बाफना  
ने प्रस्तुत किया। और जर्नल विषय  
तथा एथिक्स पर चर्चा हुई। सभी ने  
अपने विचार रखे। इन्होंने वहाँ रिसर्च एड  
कलम किया है। एथिक्स के इन्होंने आचार संहिता  
कहा। परसुगु generation को परिभाषित किया  
इन्होंने ethical committee के  
बारे बताया। उनके norms के  
बारे में बताया। जो research  
ही रहे है उनके उद्देश्य क्या है  
उसके तुलना और फायदे क्या  
है। एथिक्स की जानकारी दी।

कार्यक्रम का very important  
इसके character इन तर निकले  
तथा various committee अपनी  
प्रक्रिया की - उद्योग समीक्षा  
बधाई दी. कमी जाने स्वामियों को  
पहचान और गलतियों को  
स्वीकार करे. उद्योग व्यवस्थापक  
सम्मोदाया.

- संत मे डॉ. डी. पी. कुरे सर ने  
समीक्षा का ध्यान सापित किया.
- कुल 8 मांख प्रणाल प्रस्तुत किए गए  
समिति द्वारा समीक्षा उपरान्त इन प्रणाल  
का अनुमोदन किया जाता है.



PRINCIPAL  
GOVT. DIGVIJAY COLLEGE  
RAJNANDGAON (C.G.)